an>

Title: Need to make available fertilizers to farmers of Vidharbha region.

श्रीमती भावना पाटील गवली (यवतमाल-वाशिम): महोदय, मैं बहुत दिनों से इस विषय पर बोलना चाह रही थी। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद। मैं सिर्फ दो मिनट में अपनी बात समाप्त करूंगी। महाराष्ट्र राज्य के विदर्भ प्रान्त में देश के सबसे ज्यादा किसान आत्महत्या करते हैं। इस बार बारिश अच्छी होने के कारण कुछ राहत मिल रही है, लेकिन रासायनिक खाद किसानों को बहुत मुश्किल से प्राप्त हो रही है। किसानों को बहुत ही कम मात्रा में खाद दिया जा रहा है। जो खाद किसानों को चाहिए, वह उन्हें नहीं मिल रही है और इसीलिए वहां का किसान आन्दोलन पर उतर आया है। इस कारण से पुलिसकर्मियों की तरफ से किसानों पर लाठियां भी चलायी जा रही हैं। जो खाद किसानों को दिया जा रहा है, उसके साथ दूसरा खाद, पेस्टीसाइड्स जबरन खरीदने के लिए कहा जा रहा है। जो कंपनियां किसानों को खाद दे रही हैं, वे आरसीएफ, इफको, आईपीएल इत्यादि कंपनियां हैं। ये कंपनियां लिंकिंग करके दूसरी खाद किसानों को दे रही हैं। उदाहरण के तौर पर मैं आपको बताना चाहूंगी कि आरसीएफ के साथ जो यूरिया 278 रूपये का दिया जाता है, उसके साथ-साथ जबरन एक दूसरा खाद 150 रूपये का दिया जा रहा है। मेरी मांग है कि महाराष्ट्र के हर जिले पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध करायी जाये। वहां पर पुलिस हिरासत में किसानों को खाद दी जा रही है। मैं सरकार से चाहती हूं कि ये कंपनियां जो लिंकिंग कर रही हैं, उसे तुरन्त समाप्त किया जाये और खाद की आपूर्ति को पूरा किया जाये। यही मेरी मांग है।

MR. CHAIRMAN: That is all. Please sit down. Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

MR. CHAIRMAN: Now, Shri Dara Singh Chauhan.